पहल | शराब बेचने और पीने वालों पर लगेगा आर्थिक दंड, महिलाओं ने भरी हुंकार

# नशा मुक्ति के लिए बम्हनी में महापंचायत

▶ युवा पीढ़ी को बचाने क्रांतिकारी पहल, कड़े दंड का प्रावधान

**नारायणगंज।** समाज को खोखला कर रही नशे की लत के खिलाफ अब ग्रामीण क्षेत्रों में जनाक्रोश पनपने लगा है। नारायणगंज जनपद के भवाल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बम्हनी में ग्रामीणों, बुजुर्गों और मातृशक्ति ने एकजुट होकर पूर्ण शराबबंदी और नशा मुक्ति का ऐतिहासिक संकल्प लिया है। गांव के खेरमाई मंदिर परिसर में आयोजित एक बैठक में बुद्धिजीवियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि अब गांव की अपनी न्याय नीति होगी।

पंचायत में फैसला लिया गया कि गांव में जो भी व्यक्ति अवैध शराब बनाएगा या बेचेगा, उसे आर्थिक रूप से दंडित किया जाएगा। इसके साथ ही सामाजिक कार्यों में शराब

पीकर आने वालों पर भी समाज का कड़ा चाबुक चलेगा। यह निर्णय हाल ही में शराब के कारण हुई एक सड़क दुर्घटना, घरेलू हिंसा के मामलों और एक छात्रा से जुड़ी अप्रिय घटना के बाद लिया गया है।

### रैली निकालकर जगाई अलख

बैठक के बाद महिलाओं, युवाओं और पंच-सरपंचों ने बम्हनी से बरबसपुर और सोडर गांव तक विशाल रैली निकाली। इस दौरान टिकरिया थाना पुलिस का भी सराहनीय सहयोग मिला। रैली में बिनीता देवी, मीरा, संगीता, गीता सहित सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लिया।

समाजसेवी दुर्गेश सिंगरोरे लोधी ने अपने संबोधन में राजनेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ नेता वोट के लिए शराब बांटते हैं, लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि उनकी खुद की आने वाली पीढ़ी इससे बर्बाद हो रही है। उन्होंने बम्हनी के इस क्रांतिकारी संकल्प की सराहना करते हुए इसे पड़ोसी गांवों के लिए एक मिसाल बताया।

### बुजुर्ग और युवाओं ने उठाया जिम्मा

ग्रामीणों का कहना है कि नशा केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य को भी अंधकार में डाल रहा है। अपराधों और सड़क दुर्घटनाओं के पीछे शराब एक मुख्य वजह है। अपनी युवा पीढ़ी को मानसिक रूप से अपाहिज होने से बचाने के लिए गांव के बुजुर्गों और युवाओं ने यह जिम्मा उठाया है।

# विद्युत कनेक्शन के लिए भटक रही महिला

**उदयपुर।** विद्युत विभाग बीजाडांडी की तानाशाही और लचर कार्यप्रणाली के कारण एक उपभोक्ता पिछले 10 दिनों से दफ्तर के चक्कर काटने को मजबूर है। व्यावसायिक कार्य हेतु अस्थायी कनेक्शन के लिए विभाग द्वारा निर्धारित राशि जमा करने के बावजूद हितग्राही को कनेक्शन नहीं दिया जा रहा है, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहे हैं।

जानकारी अनुसार उदयपुर निवासी हितग्राही शमा परवीन ने अपने व्यावसायिक कार्य के लिए विभाग से टी.सी. कनेक्शन की मांग की थी। विभाग की शर्तों के अनुसार उन्होंने 6000 रूपए का ऑनलाइन बिल भी जमा कर दिया। लेकिन राशि जमा होने के 10 दिन बीत जाने के बाद भी विभाग कनेक्शन देने में आनाकानी कर रहा है। उपभोक्ता का कहना है कि जब विभाग को कनेक्शन देना ही नहीं था, तो पैसा क्यों जमा कराया गया।

### जानबूझकर किया जा रहा परेशान

हितग्राही ने बताया कि उनके कार्यस्थल से मात्र 50 फीट की दूरी पर एक ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। ट्रांसफार्मर मालिक को भी वहां से कनेक्शन देने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन विभागीय कर्मचारी जानबूझकर 500 मीटर दूर से कनेक्शन लेने का दबाव बना रहे हैं। इतनी अधिक दूरी से कनेक्शन लेने पर हितग्राही को अतिरिक्त 10 हजार का तार खरीदना पड़ेगा, जो उन पर आर्थिक बोझ है।

### अधिकारियों की कुर्सी खाली, कर्मचारी बेलगाम

बीजाडांडी कनिष्ठ अभियंता कार्यालय की स्थिति यह है कि यहाँ पिछले 6 माह से कोई स्थाई अधिकारी नियुक्त नहीं है। उदयपुर क्षेत्र में लाइनमैन की व्यवस्था भी कागजों तक सीमित है। वर्तमान जेई के पास तीन क्षेत्रों का प्रभार होने के कारण वे कार्यालय में उपलब्ध नहीं रहते, जिसका फायदा उठाकर निचले कर्मचारी आम जनता को परेशान करने में लगे हुए हैं। उदयपुर क्षेत्र की जनता ने वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि इस मामले में तत्काल संज्ञान लेकर हितग्राही को सुलभ स्थान से कनेक्शन दिलाया जाए और कार्यालय में अधिकारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

# सेवारत शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता के खिलाफ लामबंद हुआ टेवटा

▶ प्रांतीय बैठक में बनी रणनीति 20-22 साल की सेवा के बाद परीक्षा देना अन्यायपूर्ण

**नैनपुर।** सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गैर-शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण शिक्षकों को दो वर्ष के भीतर परीक्षा पास करने के दिए गए निर्देश ने शिक्षा जगत में हड़कंप मचा दिया है। इस निर्णय के विरोध में ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन ने मोर्चा खोल दिया है। संगठन की एक महत्वपूर्ण प्रांत स्तरीय ऑनलाइन बैठक प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगौर एवं महासचिव सुरेश यादव की अगुवाई में आयोजित हुई, जिसमें भविष्य की कार्ययोजना तैयार की गई।

बताया गया कि सर्वोच्च न्यायालय की डबल बेंच ने हाल ही में निर्णय दिया है कि वे सभी शिक्षक, जिनकी सेवा पाँच वर्ष से अधिक शेष है और जो टीईटी उत्तीर्ण नहीं हैं, उन्हें दो वर्ष

के भीतर यह परीक्षा पास करनी होगी। ऐसा न करने पर उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति (कंपलसरी रिटायरमेंट) दी जा सकती है।

### न्यायसंगत नहीं है परीक्षा की बाध्यता

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि जिस समय उनकी भर्ती हुई थी, उस समय टीईटी अनिवार्य नहीं था। ऐसे में 20-22 वर्ष की लंबी सेवा दे चुके अनुभवी शिक्षकों को अचानक परीक्षा देने के लिए बाध्य करना न केवल अनुचित है, बल्कि यह उनके साथ अन्याय भी है। प्रदेश अध्यक्ष डी.के. सिंगौर ने स्पष्ट किया कि मध्यप्रदेश के अध्यापक संवर्ग में कंपलसरी रिटायरमेंट की स्पष्ट व्यवस्था भी नहीं है।

### रिव्यू पिटिशन और कानूनी आधार की तलाश

एसोसिएशन ने तय किया है कि वे इस निर्णय के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में रिव्यू पिटिशन दायर करेंगे। संगठन का तर्क है कि उनके पास शिक्षकों को इस बाध्यता से बचाने के लिए पुख्ता आधार हैं। इसमें राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की 2011 की अधिसूचना और 2019 तक की समय-सीमा जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को आधार बनाया जा रहा है।

### विधायकों और मंत्रियों से करेंगे मुलाकात

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रदेश भर के मंत्रियों और विधायकों से मुलाकात कर उन्हें इस गंभीर समस्या से अवगत कराएंगे।

साथ ही राज्य सरकार से मांग की जाएगी कि वह केंद्र सरकार के माध्यम से नियमों में संशोधन की पहल करे और सर्वोच्च न्यायालय में अपना पक्ष मजबूती से रखे।

# एसटी आरक्षण की मांग को लेकर विमुक्त घुमंतू समाज ने भरी हुंकार

▶ भोपाल में जेल भरो आंदोलन की तैयारी

**भुआ बिछिया।** तहसील बिछिया के सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में विमुक्त घुमंतू जनजाति संगठन की एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री नारायण सिंह बंजारा उपस्थित रहे। इस दौरान वक्ताओं ने समाज की वर्तमान दशा, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और अनुसूचित जनजाति आरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

बैठक में प्रदेशाध्यक्ष नारायण सिंह बंजारा ने कहा कि संगठन वर्ष 2008 से निरंतर न्याय यात्रा और ज्ञापनों के माध्यम से अपनी मांगें शासन तक पहुँचा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2013 और 2016 में घुमंतू जातियों को स्ञ वर्ग में शामिल करने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक इस दिशा में

कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। समाज का मानना है कि विभिन्न प्रांतों में उन्हें अलग-अलग वर्गों में बांटकर कमजोर किया जा रहा है, जबकि वे मूल रूप से स्ञ वर्ग का अधिकार रखते हैं।

### भोपाल में जनाक्रोश रैली और जेल भरो आंदोलन

संगठन ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि आगामी दिनों में घुमंतू समाज की सभी 51 जातियां एकजुट होकर भोपाल में लाखों की संख्या में जुटेंगी। इस दौरान मुख्यमंत्री आवास और विधानसभा का घेराव कर जेल भरो आंदोलन किया जाएगा।

### ये रहे उपस्थिति

कार्यक्रम में ईश्वर सिंह पवार (अनूपपुर), जीवन सिंह बंजारा (डिंडोरी), अनंत सिंह राठौर (मंडला), संतोष सोलंकी (जोगी समाज प्रदेशाध्यक्ष), राजेंद्र राठौर (छिंदवाड़ा) सहित ग्वालियर, कवर्धा और अन्य जिलों के सैकड़ों प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मंच संचालन श्याम चौहान ने किया और आभार प्रदर्शन जिला सचिव गुलाब चौहान द्वारा किया गया।

### रेलवे मजिस्ट्रेट ने की औचक टिकट चेकिंग

**जबलपुर, नवभारत।** जबलपुर रेल मंडल में रेलवे नियमों के प्रभावी पालन तथा बिना टिकट एवं अनाधिकृत यात्रा पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से रेलवे मजिस्ट्रेट वेदप्रकाश सगर द्वारा जबलपुर से सतना के मध्य विशेष औचक टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत रेलवे मजिस्ट्रेट द्वारा महाकौशल एक्सप्रेस में जबलपुर से सतना के बीच विशेष चेकिंग की गई। प्राप्त शिकायतों के अनुसार अप-डाउन करने वाले कुछ यात्रियों द्वारा एसी एवं स्लीपर कोचों में अनाधिकृत रूप से यात्रा करने की सूचना के आधार पर यह कार्यवाही की गई। चेकिंग के दौरान मजिस्ट्रेट महोदय के साथ सी.टी.आई. एस.एस.एच. आब्दी के नेतृत्व में टिकट चेकिंग स्टाफ, आरपीएफ एवं जीआरपी की टीम भी मौजूद रही। जांच के दौरान कुल 47 यात्री बिना टिकट तथा 73 यात्री अनाधिकृत रूप से यात्रा करते हुए पाए गए।

# नैनपुर-केवलारी मार्ग पर बड़ा रेल हादसा टला

▶ शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस का डिब्बा हुआ बेपटरी

**नैनपुर।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नैनपुर-केवलारी रेल खंड पर आज एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। शहडोल से नागपुर की ओर जा रही शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस का आखिरी डिब्बा अचानक पटरी से उतर गया। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई भी जनहानि नहीं हुई है और सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

जानकारी अनुसार ट्रेन जैसे ही नैनपुर से केवलारी के बीच पहुँची, इसी दौरान आखिरी कोच के पहिये पटरी से नीचे उतर गए। अचानक हुए इस घटनाक्रम से यात्रियों में हड़कंप मच गया। ट्रेन रुकते ही यात्री सुरक्षित नीचे उतर आए।

बताया गया कि यह घटना उस समय हुई जब ट्रेन अपनी निर्धारित गति से गुजर रही थी।

### रेलवे का भारी अमला मौके पर

घटना की सूचना मिलते ही नैनपुर रेलवे स्टेशन से तकनीकी टीम और भारी-भरकम स्टाफ मौके पर पहुँच गया है। रेल अधिकारी और कर्मचारी ट्रैक को दुरुस्त करने और बेपटरी हुए डिब्बे को वापस पटरी पर लाने की कवायद में जुटे हुए हैं।

फिलहाल रेल यातायात प्रभावित हुआ है, जिसे जल्द बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

### गर्मी में बढ़ रही ट्रैक संबंधी समस्याएं

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जैसे ही भीषण गर्मी की शुरुआत हुई है, पटरियों के फैलने या अन्य तकनीकी कारणों से ट्रेन के बेपटरी होने जैसी घटनाएं सामने आने लगी हैं।

# नैनपुर स्टेशन पर रेलवे की बड़ी लापरवाही

अचानक बदला मूकमाटी एक्सप्रेस का प्लेटफॉर्म, दर्जनों यात्रियों की छूटी ट्रेन

**नैनपुर।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नैनपुर जंक्शन पर रेल कर्मचारियों की लापरवाही और लचर कार्यप्रणाली एक बार फिर उजागर हुई है। 12 मार्च 2026 को जबलपुर से रायपुर की ओर जाने वाली गाड़ी संख्या 11702 मूकमाटी एक्सप्रेस का अचानक प्लेटफॉर्म बदल दिए जाने से हड़कंप मच गया। इस अव्यवस्था के कारण 20 से अधिक यात्रियों का सफर बीच में ही छूट गया, जिससे यात्रियों में रेलवे प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश है।

नैनपुर स्टेशन पर मूकमाटी एक्सप्रेस हमेशा प्लेटफॉर्म नंबर एक पर आती है। यात्री इसी भरोसे एक नंबर प्लेटफॉर्म पर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। लेकिन ऐन वक्त पर प्लेटफॉर्म नंबर एक पर मालगाड़ी खड़ी कर दी गई और एक्सप्रेस ट्रेन को प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर ले लिया गया। अचानक हुई इस तब्दीली से मुसाफिरों में अफरा-तफरी मच गई। एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म की दौड़ लगाने के चक्कर में कई यात्री ट्रेन नहीं पकड़ सके। इनमें से कई यात्रियों को दुर्ग से जगन्नाथ पुरी की कनेक्टिंग ट्रेन पकड़नी थी, जिनका पूरा सफर बर्बाद हो गया।

### अनाउंसमेंट सिस्टम का निराला अंदाज

रेलवे की लापरवाही यहीं खत्म नहीं हुई। यात्रियों ने बताया कि स्टेशन पर होने वाला अनाउंसमेंट भी पूरी तरह भ्रामक रहा। जब ट्रेन प्लेटफॉर्म पर आकर खड़ी हो गई, तब भी माइक से यह सूचना दी जा रही थी कि %ट्रेन आने वाली है। इस गलत सूचना के कारण मुसाफिर भ्रमित रहे और समय रहते सही प्लेटफॉर्म तक नहीं पहुँच पाए।

### अधिकारियों की मेहनत पर पानी फेर रहे कर्मचारी

हैरानी की बात यह है कि वर्तमान में बिलासपुर जोन के उच्च अधिकारी लगातार नैनपुर जंक्शन का दौरा कर व्यवस्थाओं को सुधारने में जुटे हैं। लेकिन स्थानीय स्टेशन मास्टर और संचालन स्टाफ की मनमानी इन प्रयासों पर पानी फेर रही है। स्टेशन मास्टर का दायित्व होता है कि वह ट्रेनों के सुचारू संचालन और सही प्लेटफॉर्म का चयन सुनिश्चित करे, लेकिन यहाँ यात्रियों की सुविधा के बजाय मालगाड़ी को प्राथमिकता दी गई।

### जवाबदेही तय करने की मांग

पीड़ित यात्रियों और क्षेत्रीय जनता ने रेलवे के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस गंभीर लापरवाही की जाँच कर दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

# लघु उद्योग विकास परिषद ने धौरगांव और ठरका में शुरू किए रोजगार प्रशिक्षण केंद्र

▶ महिलाओं को मिलीं सिलाई मशीनें और स्वरोजगार के उपकरण

**बम्हनी बंजर।** आत्मनिर्भर भारत और हर हाथ में रोजगार, हर घर रोजगार के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए लघु उद्योग विकास परिषद मंडला द्वारा ग्राम पंचायत धौरगांव एवं ठरका में दो नए केंद्रों का शुभारंभ किया गया। इस दौरान न केवल शिक्षा का दीप जलाया गया, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।

कार्यक्रम के अंतर्गत उज्जवला शिक्षा मिशन के तहत जरूरतमंद बच्चों को पठन-पाठन की सामग्री का वितरण किया गया। परिषद द्वारा बच्चों को बैग, पुस्तक, कॉपी, पहाड़ा चार्ट और बोर्ड जैसी आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई गईं, ताकि ग्रामीण अंचल के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके।

### महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

वही औद्योगिक प्रशिक्षण महिला विकास योजना के तहत ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सिलाई-कढ़ाई सामग्री और सिलाई मशीनों का वितरण किया गया।

परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि इन केंद्रों के माध्यम से महिलाओं को तकनीकी कौशल सिखाया जाएगा, जिससे वे घर बैठे अपनी आजीविका अर्जित कर सकेंगी।

### ग्रामीणों में उत्साह

केंद्रों के शुभारंभ अवसर पर लघु उद्योग विकास परिषद के अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। परिषद के प्रतिनिधियों ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य हर घर तक रोजगार पहुँचाना और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। उपस्थित ग्रामीणों ने परिषद के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में शिक्षा और आत्मनिर्भरता की एक नई लहर आएगी।

# मंडला रेल सुविधाओं के लिए आर-पार की लड़ाई

▶ कोचिंग डिपो, पिट लाइन और पेंचवेली ट्रेन की मांग को लेकर मंथन

**नैनपुर।** रेल सुविधाओं के विस्तार और लंबित मांगों को पूरा कराने के लिए राष्ट्रीय रेलवे संघर्ष समिति ने अब अपनी मुहिम तेज कर दी है। समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय चिलमन चौक में संपन्न हुई, जिसमें मंडला फोर्ट से रेल संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि अब इन मांगों को लेकर सीधे जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद किया जाएगा।

राष्ट्रीय रेलवे संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप मिश्रा ने दूरभाष पर मंडला सांसद से चर्चा की। इस दौरान सांसद ने समिति के सदस्यों को 15 मार्च को मुलाकात करने और रेलवे संबंधी मांगों पर

विस्तृत चर्चा करने का आश्वासन दिया है। इस बैठक को लेकर संघर्ष समिति ने जिले के सभी समाजसेवियों, सामाजिक अध्यक्षों और व्यापारियों से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट होने की अपील की है ताकि मंडला के विकास के लिए एक मजबूत दबाव बनाया जा सके।

### ये हैं प्रमुख मांगें

संघर्ष समिति ने अपनी मांगों को दोहराते हुए कहा कि मंडला फोर्ट में कोचिंग डिपो की स्थापना और पिट लाइन का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही पेंचवेली ट्रेन को जल्द शुरू करने और नवीन रेल मार्ग जिसमें विशेषकर बिलासपुर पंडरिया मंडला जबलपुर एवं गौरेला पेंड्रा अमरकंटक डिंडोरी मंडला घंसौर गोटेगांव (जिनका पूर्व में सर्वे हो चुका है) को मूर्त रूप देने की मांग की गई है।

### विकास के लिए एकजुटता का आह्वान

समिति का मानना है कि यदि जिले के सांसद और विधायक इन मांगों के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाएं, तो मंडला के विकास की गति कई गुना बढ़ सकती है। समिति ने इस बात पर जोर दिया कि रेल मंत्री को पूर्व में भी कई बार ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं और अब जन प्रतिनिधियों के साथ मिलकर ठोस पहल की आवश्यकता है। संघर्ष समिति ने 15 मार्च को होने वाली इस बैठक में भारी संख्या में लोगों से जुड़ने का आग्रह किया है ताकि जिले की आवाज मजबूती से उठाई जा सके।

# मूल्यांकन कर रहे शिक्षकों को साफ पानी भी नसीब नहीं

मूल्यांकन केंद्र में अव्यवस्था के कारण शिक्षक परेशान

**नवभारत,जबलपुर।** इस वर्ष कक्षा 5वीं और 8वीं के मूल्यांकन केंद्र के रूप में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चेरीताल चुना गया है। लेकिन प्रथम दिन से ही वहां अव्यवस्था देखने को मिल रही है। शिक्षकों ने बताया कि उन्हें टूटे टेबल-कुर्सी पर बैठना पड़ रहा है, बाथरूम भी गंदे हैं और पीने का साफ पानी भी उपलब्ध नहीं है। जिसके कारण सभी शिक्षकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खास तौर पर महिला शिक्षिकाओं को अधिक परेशानी हो रही है।

### अधिकारी डरा धमकाकर भेज रहे केंद्र

कई शिक्षकों ने बताया कि मूल्यांकन के लिए उन्हें उच्च अधिकारियों द्वारा डरा- धमकाकर मूल्यांकन केंद्र पर भेजा जा रहा है। इतनी भीषण गर्मी में जहां पीने का साफ पानी भी नसीब नहीं होता है। इसके अलावा अधिकारी वेतन कटौती का दबाव बना रहे हैं। जिससे शिक्षक खुलकर अपनी समस्याएं सामने नहीं ला पा रहे हैं।

# सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के मरीज के पास मिलीं शराब की बोतलें

**नवभारत,जबलपुर।** बेहतर इलाज व्यवस्था और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के उद्देश्य से बनाए गए नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती एक मरीज के पास से करीब 8 शराब की बोतलें मिलीं हैं। अस्पताल के न्यूरोलॉजी वार्ड में भर्ती मरीज के पास शराब की बोतलें मिलने से पूरे वार्ड में हड़कंप मच गया और इस खबर ने सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सेंध लगाई। मरीज के पास शराब की इतनी बोतलें मिलने के मामले ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा किया तो वहीं दूसरी तरफ सवाल ये भी खड़े किए कि जब अस्पताल में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती मौजूद है तो फिर इतनी बड़ी चूक कैसे हो

गई कि अस्पताल के भीतर शराब की बोतलें आ गईं।

### सुरक्षा कर्मी नहीं करते जांच

सूत्रों की माने तो मेडिकल कॉलेज सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में तैनात सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा आने-जाने वाले लोगों की सख्ती से जांच नहीं की जाती। इसी वजह से कई लोग अस्पताल परिसर के अंदर तक गुटखा, तंबाकू और अन्य नशीली चीजें लेकर पहुंच जाते हैं। अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों का कहना है कि कई वार्डों में खुलेआम राजश्री गुटखा और तंबाकू का सेवन किया जाता है, जिससे अस्पताल का वातावरण भी प्रभावित होता है। साथ ही इनका कहना ये भी है कि यदि अस्पताल में नियमों का सख्ती से पालन किया जाए तो काफी समस्याओं पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

### जिसके पास मिली बोतल उसे कर दिया डिस्चार्ज

प्रबंधन की ओर से जिस मरीज के पास शराब की बोतलें मिलीं हैं उसका नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है।